CBSE Test Paper 02

Ch-2 एवेरेस्ट मेरी शिखर यात्रा

1. शेरपा कुली की मृत्यु कैसे हुई थी? एवरेस्ट-मेरी शिखर यात्रा पाठ के आधार पर बताइए।
2. बछेंद्रीपाल ने जूस और चाय लेकर नीचे जाने का जोखिम क्यों लिया?
3. एवरेस्ट अभियान की पहली बाधा कौन-सी थी?
4. एवरेस्ट-मेरी शिखर यात्रा पाठ के आधार पर बताइए अग्रिम दल का नेतृत्व कौन कर रहा था?
5. वह कौन-सी बात थी, जो लेखिका को डराने के लिए काफ़ी थी? एवरेस्ट : मेरी शिखर यात्रा पाठ के आधार पर बताइए।
6. लोपसांग ने लेखिका की जान किस तरह से बचाई?
7. एवरेस्ट पर चढ़ने के लिए कुल कितने कैंप बनाए गए? उनका वर्णन कीजिए।
8. एवरेस्ट जैसे महान अभियान में खतरों को और कभी-कभी तो मृत्यु को भी आदमी को सहज भाव से स्वीकार करनी चाहिए। आशय स्पष्ट कीजिए।

CBSE Test Paper 02

Ch-2 एवेरेस्ट मेरी शिखर यात्रा

Answer

1. खंभु हिमपात पर जाने वाले अभियान दल के रास्ते के बाईं तरफ सीधी पहाड़ी धसक गई थी। इस कारण ल्होत्से की ओर से एक बहुत बड़ी चट्टान नीचे खिसक आई थी, जिससे एक शेरपा कुली की मृत्यु हो गई थी।
2. बछेंद्रीपाल शारीरिक रूप से स्वस्थ थीं इसलिए उन्होंने अपने दल के सदस्यों की मदद करने का जोखिम उठाने का निर्णय लिया।
3. एवरेस्ट अभियान की पहली बाधा खंभु हिमपात थी।
4. अग्रिम दल का नेतृत्व उपनेता प्रेमचन्द कर रहे थे।
5. पर्वत शिखरों पर 150 किलोमीटर या इससे भी अधिक गति से तूफ़ानी और बर्फ़ीली हवाएँ चलती हैं। शिखर पर जाने वाले प्रत्येक व्यक्ति को दक्षिण पूर्वी पहाड़ी पर इन तूफ़ानों को झेलना पड़ता है। यह बात लेखिका को डराने के लिए काफ़ी थी।
6. जब लेखिका अपने तंबू में बरफ़ में दबी थी तब लोपसांग ने अपनी स्विस छुरी से तंबू का रास्ता साफ़ करने में जुट गए उन्होंने लेखिका के चारों ओर जमे कड़े बरफ़ की खुदाई की और लेखिका को बरफ़ की कब्र से खींच निकाला।
7. एवरेस्ट पर चढ़ने के लिए निम्नलिखित छह कैम्प बनाए गए थे-
   i. **बेस कैम्प -** यहाँ से असली चढ़ाई शुरू होनी थी। यहाँ सारी सुविधाएँ एकत्रित की गई थीं। यहाँ तेनजिंग भी मिलने आए थे।
   ii. **कैम्प-एक -** इस कैम्प में लेखिका और एक अन्य महिला पहले पहुँची।
   iii. **कैम्प-दो -** 16 मई को प्रातः सभी लोग इस कैम्प पर पहुँचे। जिसमें एक शेरपा की टाँग टूट गई थी, उसे स्ट्रेचर पर लिटाया गया।
   iv. **कैम्प-तीन -** इसमें 10 व्यक्ति थे। यह नायलॉन से बना तम्बू था। वहीं रात 12:30 बजे बर्फ का खण्ड टूटकर आ गिरा था।
   v. **कैम्प-चार -** यह कैम्प 29 अप्रैल, 1948 को अंगदोरजी, लोपसाँग और गगन बिस्सा ने 7900 मीटर की ऊँचाई पर लगाया।
   vi. **शिखर कैम्प -** इस मैदान में लेखिका और अंगदोरजी केवल दो घण्टों में पहुँच गये यहाँ से सागरमाथा नज़दीक था।
8. शेरपा कुलियों में से एक की मृत्यु व चार के घायल होने की खबर सुन यह कथन कर्नल खुल्लर ने कहा। एवरेस्ट दुनियाँ की सबसे ऊँची चोटी है और इस पर चढ़ना कोई आसान काम नहीं है। इसलिए कर्नल खुल्लर ने अभिय सदस्यों को प्रोत्साहित करते हुए कहा कि महान् उद्देश्य की पूर्ति के लिए खतरों का सामना करना पड़ता है और मृत्यु को भी गले लगाना पड़ सकता है। इस तरह की परिस्थितियों का सहज भाव से सामना करना चाहिए। मृत्यु इस उद्देश्य के सामने छोटी है।